



सत्यमेव जयते

14/5/16 पञ्जाबली आर्य समाज काष्ठ 512

कर्म बरहवा से पूजा इत्यादि का 2
 आवाज मजान के वाक्य का नमो
 वादी स्वयं उपस्थित है नमो नमो
 वादी का नमो से कोई इच्छित
 उपस्थित है इतः वादी का वाद
 अदम है नमो से अदम है नमो
 खरिज निमो जागा है पञ्जाबली मजान
 शुक्र होकर वादी पदमा है
 निर्माद से इजालुम कोय बरहवा के इजालुम
 वादी/

सहायक कलक्टर
डीडवाना